

असाधारण EXTRAORDINARY भाग 2—अनुभाग 3कृ PART II— Section 3A

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

संo 6 No. 6 नई दिल्ली, सोमवार, 12 अगस्त, 2013/21 श्रावण, 1935 (शक) NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 12, 2013/SHRAVANA 21, 1935 (SAKA) खण्ड XLIV Vol. XLIV

विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) राजभाषा खंड

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2013/21 श्रावण, 1935 (शक)

दमण एंड दीव मेरीन फिशिंग (अमेंडमेंट) रेग्युलेशन, 2010 का हिन्दी अनुवाद, राष्ट्रपति के प्राधिकार से, प्रकाशित किया जाता है और राजभाषा अधिनियम, 1963 (1963 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन, यह हिन्दी में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा:—

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (LEGISLATIVE DEPARTMENT) OFFICIAL LANGUAGES WING

New Delhi, August 12, 2013/Shravana 21, 1935 (Saka)

The translation in Hindi of the Daman and Diu Marine Fishing (Amendment) Regulation, 2010 is hereby published under the authority of the President and shall be deemed to be the authoritative text thereof in Hindi under clause (b) of subsection (1) of section 5 of the Official Languages Act, 1963 (19 of 1963):—

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

## दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग (संशोधन) विनियम, 2010

(2010 का विनियम संख्यांक 2)

भारत गणराज्य के इकसठवें वर्ष में राष्ट्रपित द्वारा प्रख्यापित। दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र में यथा प्रवृत्त गोवा, दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग विनियमन अधिनियम, 1980 का संशोधन करने के लिए विनियम

राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 240 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनके द्वारा बनाए गए निम्नलिखित विनियम को प्रख्यापित करते हैं:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इस विनियम का संक्षिप्त नाम दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग (संशोधन) विनियम, 2010 है।

(2) यह तुरंत प्रवृत्त होगा।

2. धारा 2 का संशोधन—दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र में यथा प्रवृत्त गोवा, दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग विनियमन अधिनियम, 1980, (1981 का गोवा अधिनियम 3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 2 में,—

(i) खंड (ङ) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

'(ङ) दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग (संशोधन) विनियम, 2010 के प्रारंभ से ही, दमण और दीव के संबंध में, "सरकार" से संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक अभिप्रेत है;

(ii) खंड (झ) के स्थान पर, निम्नितिखत खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

> '(झ) दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग (संशोधन) विनियम, 2010 के प्रारंभ से ही, दमण और दीव के संबंध में, "संघ राज्यक्षेत्र" से दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र अभिप्रेत है और इसके

अन्तर्गत संघ राज्यक्षेत्र की संपूर्ण तटरेखा के साथ राज्यक्षेत्रीय सागर खंड भी है;'।

3. धारा 4 का संशोधन—मूल अधिनियम की धार्रा 4 की उपधारा (1) के खंड (ङ) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

'(च) दमण और दीव समुद्री मीन उद्योग (संशोधन) विनियम, 2010 के प्रारंभ से ही, दमण और दीव के संबंध में,—

> (i) मछली पकड़ने वाले व्यक्ति द्वारा समुद्री जल या अंतरदेशीय जल में प्रवेश करने से पूर्व ऐसे पहचानपत्र का प्रयोग, जो विहित किया जाए।

> स्पष्टीकरण—इस उपखंड के प्रयोजनों के लिए, "पहचानपत्र" से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा मछली पकड़ने वाले व्यक्ति को जारी किया गया पहचानपत्र अभिप्रेत है;

(ii) किसी विनिर्दिष्ट क्षेत्र में किसी ऐसे वर्ग या वर्गों के मत्स्य जलयानों में, जो विहित किए जाएं, रक्षा और सुरक्षा उपस्कर लगाना।

स्पष्टीकरण—इस उपखंड के प्रयोजनों के लिए, "रक्षा और सुरक्षा उपस्कर" से प्रेष-ग्राही, वैश्विक स्थितीय प्रणाली, अत्यंत उच्च आवृत्ति जैसा उपस्कर या ऐसा अन्य रक्षा और सुरक्षा उपस्कर अभिप्रेत है, जो सरकार द्वारा, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, विनिर्दिष्ट किया जाए।'।

रामावतार यादव, उप विधायी परामर्शी, भारत सरकार। î